श्री हनुमान साठिका

संस्कृत

|| दोहा||

बीर बखानौं पवनसुत,
जनत सकल जहान ।
धन्य-धन्य अंजनि-तनय ,
संकर, हर, हनुमान्||

mereramapp

जय जय जय हनुमान अडंगी ।
महावीर विक्रम बजरंगी ।।
जय कपीश जय पवन कुमारा ।
जय जगबन्दन सील अगारा ।।
जय आदित्य अमर अबिकारी ।
अरि मरदन जय-जय गिरधारी ।।
अंजनि उदर जन्म तुम लीन्हा ।
जय-जयकार देवतन कीन्हा ।।1।।

श्री हनुमान साठिका

mereramapp

बाजे दुन्दुभि गगन गम्भीरा ।
सुर मन हर्ष असुर मन पीरा ।।
कपि के डर गढ़ लंक सकानी ।
छूटे बंध देवतन जानी ।।
ऋषि समूह निकट चलि आये ।
पवन तनय के पद सिर नाये ।।
बार-बार अस्तुति करि नाना ।
निर्मल नाम धरा हनुमाना ।।2।।

श्री हनुमान साठिका

mereramapp

सकल ऋषिन मिलि अस मत ठना ।
दीन्ह बताय लाल फल खाना ।।
सुनत बचन कपि मन हर्षाना ।
रवि रथ उदय लाल फल जाना ।।
रथ समेत कपि कीन्ह अहारा ।
सूर्य बिना भए अति अंधियारा ।।
विनय तुम्हार करै अकुलाना ।
तब कपीस की अस्तुति ठना ।।3।।

श्री हनुमान साठिका

mereramapp

सकल लोक वृतान्त सुनावा ।
चतुरानन तब रवि उगिलावा ॥
कहा बहोरि सुनहु बलसीला ।
रामचन्द्र करिहैं बहु लीला ॥
तब तुम उन्हकर करेहू सहाई ।
अबहिं बसहु कानन में जाई ॥
असकहि विधि निजलोक सिधारा ।
मिले सखा संग पवन कुमारा ॥4॥

श्री हनुमान साठिका

mereramapp

खेलैं खेल महा तरु तोरैं ।
ढेर करैं बहु पर्वत फोरैं ।।
जेहि गिरि चरण देहि कपि धाई ।
गिरि समेत पातालहिं जाई ।।
कपि सुग्रीव बालि की त्रासा ।
निरखति रहे राम मगु आसा ।।
मिले राम तहं पवन कुमारा ।
अति आनन्द सप्रेम दुलारा ।।5।।

श्री हनुमान साठिका

mereramapp

मनि मुंदरी रघुपति सौं पाई ।
सीता खोज चले सिरु नाई ।।
सतयोजन जलनिधि विस्तारा ।
अगम अपार देवतन हारा ।।
जिमि सर गोखुर सरिस कपीसा ।
लांघि गये कपि कहि जगदीशा ।।
सीता चरण सीस तिन्ह नाये ।
अजर अमर के आसिस पाये ।।6।।

श्री हनुमान साठिका

mereramapp

रहे दनुज उपवन रखवारी ।
एक से एक महाभट भारी ।।
तिन्हैं मारि पुनि कहेउ कपीसा ।
दहेउ लंक कोप्यो भुज बीसा ।।
सिया बोध दै पुनि फिर आये ।
रामचन्द्र के पद सिर नाये।
मेरु उपारि आप छिन माहीं ।
बांधे सेतु निमिष इक मांहीं ।।7।।

श्री हनुमान साठिका

mereramapp

लछ्मन शक्ति लागी उर जबहीं ।
राम बुलाय कहा पुनि तबहीं ।।
भवन समेत सुषेन लै आये ।
तुरत सजीवन को पुनि धाये ।।
मग महं कालनेमि कहं मारा ।
अमित सुभट निसिचर संहारा ।।
आनि संजीवन गिरि समेता ।
धरि दीन्हों जहं कृपा निकेता ।।४।।

श्री हनुमान साठिका

मेरे राम
mereramapp

रीछ कीसपति सबै बहोरी ।
राम लषन कीने यक वेरी ।।
सब देवतन की बन्दि छुड़ये ।
सो कीरति मुनि नारद गाये ।।
अछ्यकुमार दनुज बलवाना ।
कालकेतु कहं सब जग जाना ।।
कुम्भकरण रावण का भाई ।
ताहि निपात कीन्ह कपिराई ।।7।।

श्री हनुमान साठिका

mereramapp

मेघनाद पर शक्ति मारा ।
पवन तनय तब सो बरियारा ।।
रहा तनय नारान्तक जाना ।
पल में हते ताहि हनुमाना ।।
जहं लगि भान दनुज कर पावा ।
पवन तनय सब मारि नसावा।
जय मारुत सुत जय अनुकूला ।
नाम कृसानु सोक सम तूला ।।10।।

श्री हनुमान साठिका

mereramapp

जहं जीवन के संकट होई ।
रवि तम सम सो संकट खोई ।।
बन्दि परै सुमिरै हनुमाना ।
संकट कटै धरै जो ध्याना ।।
जाको बांध बामपद दीन्हा ।
मारुत सुत व्याकुल बहु कीन्हा ।।
सो भुजबल का कीन कृपाला ।
अच्छत तुम्हें मोर यह हाला ।।11।।

श्री हनुमान साठिका

mereramapp

आरत हरन नाम हनुमाना ।
सादर सुरपति कीन बखाना ।।
संकट रहै न एक रती को ।
ध्यान धरै हनुमान जती को ।।
धावहु देखि दीनता मोरी ।
कहौं पवनसुत जुगकर जोरी ।।
कपिपति बेगि अनुग्रह करहु ।
आतुर आइ दुसै दुख हरहु ।।12।।

श्री हनुमान साठिका

।।मेरे राम।।
mereramapp

राम सपथ मैं तुमहिं सुनाया ।
जवन गुहार लाग सिय जाया ।।
यश तुम्हार सकल जग जाना ।
भव बन्धन भंजन हनुमाना ।।
यह बन्धन कर केतिक बाता ।
नाम तुम्हार जगत सुखदाता ।।
करौ कृपा जय जय जग स्वामी ।
बार अनेक नमामि नमामी ।।13।।

श्री हनुमान साठिका

mereramapp

भौमवार कर होम विधाना ।
धूप दीप नैवेद्य सुजाना ।।
मंगल दायक को लौ लावे ।
सुन नर मुनि वांछित फल पावे ।।
जयति जयति जय जय जग स्वामी ।
समरथ पुरुष सुअन्तरजामी ।।
अंजनि तनय नाम हनुमाना ।
सो तुलसी के प्राण समाना ।।14।।

श्री हनुमान साठिका

mereramapp

||दोहा||

जय कपीस सुग्रीव तुम, जय अंगद हनुमान ||
राम लषन सीता सहित, सदा करो कल्याण ||
बन्दौं हनुमत नाम यह, भौमवार परमान ||
ध्यान धरै नर निश्चय, पावै पद कल्याण ||
जो नित पढ़ै यह साठिका, तुलसी कहैं बिचारि |
रहै न संकट ताहि को, साक्षी हैं त्रिपुरारि ||

||मेरे राम||
mereramapp

।। सवैया ।।

आरत बन पुकारत हौं कपिनाथ
सुनो विनती मम भारी ।
अंगद औ नल-नील महाबलि देव
सदा बल की बलिहारी ।।
जाम्बवन्त् सुग्रीव पवन-सुत
दिबिद मयंद महा भटभारी ।
दुःख दोष हरो तुलसी जन-को
श्री द्वादश बीरन की बलिहारी ।।

श्री हनुमान साठिका

mereramapp

Mere Ram- मेरे राम

SCAN AND GET IT ON
Google Play